MAHARAJA GANGA SINGH UNIVERSITY, BIKANER

SYLLABUS

SCHEME EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

B.A. Part - I - 2017 -18
B.A. Part - II - 2018-19
B.A. Part – III – 2019-20

INDIAN MUSIC

B.A. PART - I EXAMINATION 2019
(10+2+3 PATTERN)
SCHEME OF EXAMINATION
DISTRIBUTION OF MARKS

S. No.	Name of the Subject	No. of Papers	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks
1	Indian Music Vocal & Instrumental	Theory Paper – I	3 hrs	40	15
		Theory Paper –II	3 hrs	40	15
		Practical Paper – I	25 Min.	40	15
		Practical Paper – II	45 Min.	80	29

INDIAN MUSIC (Vocal and Instrumental) 2019

Scheme	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks	Period Per Week
Theory Paper-I	3 Hrs.	40	15	3 Hrs.
Theory Paper-II	3 Hrs.	40	15	3 Hrs.
Practical Paper - I	25 Min.	40	15	3 Hrs.
Practical Paper - II	45 Min.	80	29	6 Hrs.

THEORY PAPER-I
EXAMINATION SCHEME 2019

Section	Words Limit	Total Questions	Question to be Attempted	Question wise marks distribution	Max. Marks (40)	Selection of questions from syllabus by examiner
A	25	10	10	01	10	Minimum two questions from each unit
B	150	07	05	02	10	At least one question from each unit
C	500	04	02	10	20	Maximum one question from each unit

Section A

Max Marks 10

This section contains Ten compulsory Questions. Answer of any question should not exceed 25 words.

Section B

Max Marks 10

This section contains 07 questions. Students have to attempts 5 questions in all, selecting one question from each unit. Answer of each question should not exceed 150 words.

Section C

Max Marks 20

This section contains 04 questions. Students have to attempt any two questions, this section will cover all units, but not more than one question from each Unit. Answer of each question should not exceed 500 words.

UNIT – I

1. Study of the theoritical details of following Ragas and their comperative study.
   (i) Yaman (ii) Bhupali (iii) Bhairav (iv) Khamaj (v) Brindavani Sarang
   (vi) Durga (vii) Hindol (viii) Chhayanut (ix) Kamod
2. Writing of notations of Songs (Bandish)/Gat,

UNIT – II

1. Writing of following Talas in notation with Dwigun and Chougan.
   (i) Trital (ii) Ektal (iii) Choutal (iv) Dadra (vi) Kaharva

2. Study of the following Technical terms :- Meend, Ghaseet, Krintan, kan, Jam-Jama, jhala, Alap Murki & Khatka.

UNIT – III

1. Definitions of the following : Nad, Shruti Swara, Saptak, Raga, Thata, jati, laya, Taal, Purvanga, Uttaranga,

2. Definitions of the following : Varna, Alankar, Vadi, Samvadi, Anuvadi, Vivadi, Aroh, Avroh, Pakad

UNIT – IV

1. Definition of folk Music, characteristics and classification (in reference to Rajasthani folk music).

2. General knowledge of the musical compositions :-
   Dhrupad, Dhamar, Khayal, Tarana, Gat (Masitkhani & Razakhani)

UNIT – V

1 General Knowledge of the biographies and the contribution of the following musicians :-
   Amir Khusro, Swami Haridas, Pt Ravi Shankar, Pt Bhimsen Joshi.

2. Elementary study of Sound musical sound and noise, vibratory motion, frequency, Pitch, magnitude and timber or quality duration, interval,

THEORY PAPER – II
EXAMINATION SCHEME 2019

Section	Words Limit	Total Questions	Question to be Attempted	Question wise marks distribution	Max. Marks (40)	Selection of questions from syllabus by examiner
A	25	10	10	01	10	Minimum two questions from each unit
B	150	07	05	02	10	At least one question from each unit
C	500	04	02	10	20	Maximum one question from each unit

Section A

Max Marks 10

This section contains Ten compulsory Questions. Answer of any question should not exceed 25 words.

Section B

Max Marks 10

This section contains 07 questions. Students have to attempts 5 questions in all, selecting one question from each unit. Answer of each question should not exceed 150 words.

Section C

Max Marks 20

This section contains 04 questions. Students have to attempt any two questions, this section will cover all units, but not more than one question from each Unit. Answer of each question should not exceed 500 words.

.

UNIT – I

1. Elementry study of different beliefs on Origin of Music.
2. Study of Time-Theory of Hindustani system of Music

UNIT-II

1. Notation systems derived by Pt. V.D. Paluskar & Pt. V.N. Bhatkhande.
2. Diatonic scale, tone, semi tone, major tone & minor tone.

UNIT- III

1. 40 principles of Hindustani System of Music
2. Harmony & Melody

UNIT-IV

1. Knowledge of the following Dances:-
   Kathak, Bharat Natyam, Manipuri & Odissi
2. Knowledge of structure & Usage of the following Musical Instruments:-
   Sitar, Tanpura, Tabla, Harmonium.

UNIT-V

1. Importance of Music in Life
2. Guru-Shishya Parampara & Instituitional teaching of Music.
3. Music & Career
4. Bearing of Classical Music on Film Music.

PRACTICAL PAPER – I

1. Study of the following Ragas :-

   (i) Yaman (ii) Bhupali (iii) Bhairav (iv) Khamaj

   (v) Brindavani Sarang (vi) Durga (vii) Hindol (viii) Chhayanut 20

   (ix) Kamod 5

2. (a). Intensive study of any one Ragas as choice Ragas covering vilambit 5

   and Drut Khayal/Gat in any of above Ragas. 5

   (b) Laxana geets, sargam geet, in all above mentioned Ragas. 5

3. Five Alankars in the notes of That Bilaval, Khamaj and Kalyan.

4. Study of the following Talas :-

   (i) Trital (ii) Ektal (iii) Choutal (iv) Dadra (vi) Kaharva

   Ability to sing/play any written notation on the black board.

PRACTICAL PAPER – II

1. Study of the following Ragas :-

   (i) Yaman (ii) Bhupali (iii) Bhairav (iv) Khamaj (v) Brindavani Sarang

   (vi) Durga (vii) Hindol (viii) Chhayanut (ix) Kamod

   (a) Two Vilambit Khayalas/ Masheetkhani Gats in any two of the above mentioned 30

   Ragas. 15

   (b) Madhyalaya Khayals/ Rajakhani Gats with Tana/Toras in any three of mentioned Ragas. (not covered under clause -a) 15

2. Study of one Dhrupad / Dhamar with Dwigun and Chougun laya / Study of one Madhylaya Gat in Tala other than Trital. (for Instrumental Music) 10

3. Study of Thumary / Tarana/ Bhajan /Ghazal/ Folksong/ patriotic song/ Prayer, one from each/Dhun for students of Instrumental music. 10

4. Ability to demonstrate (orally by giving Tali and Khali on hand) following Talas with their Dwigun and chougun.

   (i) Trital (ii) Ektal (iii) Choutal (iv) Dadra (vi) Kaharva

शैक्षिणक सत्र 2019

भारतीय संगीत (कंठ और वाद्य)

योजना	अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम उर्त्तीर्णांक	कालांश प्रति सप्ताह
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र प्रथम	3 घंटे	40	15	3 घंटे
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र द्वितीय	3 घंटे	40	15	3 घंटे
प्रायोगिक प्रश्न पत्र प्रथम	25 मिनिट	40	15	3 घंटे
प्रायोगिक प्रश्न पत्र द्वितीय	45 मिनिट	80	29	6 घंटे

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र प्रथमः
परीक्षा प्रणाली 2017–18

खंड	प्रश्नोतर शब्द सीमा	कुल प्रश्न	हल किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या	प्रश्नवार अंक आवंटन	पूर्णांक (40)	पाठ्यक्रम में से परीक्षक द्वारा प्रश्नों का चयन
अ	25	10	10	01	10	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक
ब	150	07	05	02	10	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है।
स	500	04	02	10	20	एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न

खण्ड (अ)

अधिकतम अंक 10

इस खण्ड में 10 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 25 शब्दों में देना होगा। सभी प्रश्नाों के अंक समान है।

खण्ड (ब)

अधिकतम अंक 10

इस खण्ड में 10 प्रश्न है। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 150 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।

खण्ड (स)

अधिकतम अंक 20

इस खण्ड में 04 प्रश्न है। इस खण्ड में एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा। कुल दो प्रश्नों के उतर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 500 शब्दों में देना होगा। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

इकाई 1

1. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय विवरण एवं तुलनात्मक अध्ययन :–
   (1) यमन (2) भूपाली (3) भैरव (4) खमाज (5) वृन्दावनी सारंग
   (6) दुर्गा (7) हिण्डोल (8) छायानट (9) कामोद
2. पाठ्यक्रम की बंदिशों/गतों को स्वरलिपि सहित लिखना।

इकाई – 2

1. निम्नलिखित तालों का ठेका, दुगुन, चौगुन सहित लिखना।
   (1) त्रिताल (2) एक ताल (3) चौताल (4) दादरा (5) कहरवा

2. निम्नलिखित की परिभाषाऐं :–
   मींड, घसीट, कृन्तन, कण, जमजमा, झाला, मुरकी, आलाप, तान

इकाई – 3

1. नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, राग, थाट, जाति, लय, ताल, पूर्वांग, उत्तरांग,

2. वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्ण, अलंकार, आरोह, अवरोह, पकड़

इकाई – 4

1. लोक संगीत की परिभाषा, विशेशताएं, वर्गीकरण (राजस्थानी लोक संगीत के विशेश संदर्भ में)

2. निम्नलिखित गीत प्रकारों की जानकारी :– खयाल, ध्रुपद, धमार, गत (मसीतखानी एवं रजाखानी), तराना

इकाई – 5

1. निम्नलिखित संगीतकारों जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में योगदान :– अमीर खुसरो, स्वामी हरिदास, पं0 रविशंकर, पं0 भीमसेन जोशी
2. निम्नलिखित की प्रारंभिक जानकारी :–
   नाद, सांगीतिक और असांगीतिक ध्वनि, तारता, तीव्रता, प्रबलता या नाद का छोटा बड़ापन, नाद की जाति या गुण, कम्पन्न गति, आवृति अन्तराल,

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र द्वितीय
परीक्षा प्रणाली 2019

खंड	प्रश्नोतर शब्द सीमा	कुल प्रश्न	हल किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या	प्रश्नवार अंक आवंटन	पूर्णांक (40)	पाठ्यक्रम में से परीक्षक द्वारा प्रश्नों का चयन
अ	25	10	10	01	10	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक
ब	150	07	05	02	10	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है।
स	500	04	02	10	20	एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न

खण्ड (अ)

अधिकतम अंक 10

इस खण्ड में 10 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 25 शब्दों में देना होगा। सभी प्रश्नाों के अंक समान है।

खण्ड (ब)

अधिकतम अंक 10

इस खण्ड में 10 प्रश्न है। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 150 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।

खण्ड (स)

अधिकतम अंक 20

इस खण्ड में 04 प्रश्न है। इस खण्ड में एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा। कुल दो प्रश्नों के उतर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 500 शब्दों में देना होगा। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

इकाई –1

1. संगीत के उद्भव की विभिन्न मान्यताओं का प्रारम्भिक अध्ययन।
2. संगीत की हिन्दुस्तानी पद्धति के समय सिद्धान्त का अध्ययन।

इकाई – 2

1. विष्णु दिगंबर पलुस्कर एवं विश्णु नारायण भातखंडे द्वारा निर्मित स्वरलिपि पद्धतियों का अध्ययन
2. डायाटोनिक स्केल, टोन, सेमी टोन, मेजर टोन, माइनर टोन

इकाई – 3

1. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के चालीस सिद्धान्त
2. हारमनी और मेलोडी

इकाई – 4

1. निम्नलिखित नृत्यों की जानकारी –
   कत्थक, भरत नाट्यम, मणिपुरी, ओडिसी
2. निम्नलिखित वाद्यों की बनावट एवं उपयोगिता–
   सितार, तानपूरा, तबला, हारमोनियम

इकाई – 5

1. जीवन में संगीत का महत्त्व
2. संगीत की गुरूशिष्य परम्परा एवं संस्थागत शिक्षा प्रणाली
3. संगीत एवं रोजगार
4. फिल्म संगीत पर शास्त्रीय संगीत का प्रभाव

प्रायोगिक प्रश्न पत्र प्रथम

1.	निम्नलिखित रागों का अध्ययन :– (1) यमन (2) भूपाली (3) भैरव (4) खमाज (5) वृन्दावनी सारंग (6) दुर्गा (7) हिण्डोल (8) छायानट (9) कामोद	20
2.	(अ) पाठ्यक्रम के किसी एक राग में विलंबित एवं मध्यलय ख्याल/गत, तान/ तोड़ों सहित	5
	(ब) सभी रागों में लक्षण गीत, सरगम गीत	
	निम्नलिखित तालों का अध्ययन :–	5
3.	(1) त्रिताल (2) एक ताल (3) चौताल (4) दादरा (5)	5
4.	कहरवा	5
	थाट बिलावल, खमाज एवं कल्याण के स्वरों में 5–5 अलंकार	
	श्याम पट्ट पर लिखी हुई कोई स्वरलिपि गाने अथवा बजाने की क्षमता	

प्रायोगिक प्रश्न पत्र द्वितीय

1.	निम्नलिखित रागों का अध्ययन : (1) यमन (2) भूपाली (3) भैरव (4) खमाज (5) वृन्दावनी सारंग (6) दुर्गा (7) हिण्डोल (8) छायानट (9) कामोद	
	(अ) उपरोक्त रागों में से दो विलंबित ख्याल/मसीतखानी गत तान/तोड़ो के सहित	30
	(ब) कोई तीन रागों में मध्यलय ख्याल / रजाखानी गत तान एवं	15
2.	तोड़ों के सहित (बिन्दु संख्या अ के अतिरिक्त) एक ध्रुपद अथवा धमार दुगुन एवं चौगुन की लय सहित / त्रिताल	15
3.	के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में मध्यलय की एक गत (वाद्य यंत्र के विद्यार्थियों के लिए)	10
4.	ठुमरी / तराना / भजन / गजल / लोकगीत / देशभक्ति गीत प्रार्थना/धुन (वाद्य यंत्र के विद्यार्थियों के लिए) पाठ्यक्रम की निम्न तालों को हाथ पर ताली एवं खाली उनकी दुगुन एवं चौगुन सहित प्रस्तुत करने का अभ्यास (1) त्रिताल (2) एक ताल (3) चौताल (4) दादरा (5) कहरवा	10

संदर्भ ग्रन्थ

1 क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1, 2, 3 और 4 – पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे

2 संगीतांजली भाग 1, 2, 3 4, 5, और 6 – पडित ओमकार नाथ ठाकुर

3 राग विज्ञान भाग 1, 2, 3, 4, 5 और 6 – पंडित वी.एन. पटवर्धन

4 रागबोध भाग 1, 2, और 3 – डा. बी.आर. देवधर

5 तंत्रिनाद भाग 1, 2 और भारतीया संगीत वाद्य – डा. लालमणी मिश्रा

6 सितार मालिका (संगीत कार्यालय हाथरस)

7 सितार वादन – एस.जी. व्यास

8 संगीत विशारद (संगीत कार्यालय हाथरस)

9 सितार मार्ग भाग 1 और 2 – एस.पी. बेनर्जी

10 संगीत बोध – डा. शरत चन्द्र परांजपे

11 ध्वनि और संगीत – प्रो. एल.के. सिंह

12 संगीत दर्शिका भाग 1 और 2 – श्री नानीगोपाल बैनर्जी

13 Hindustan Music- An outline of its physics and aesthetics by G.H. Rande.

14 संगीत शास्त्र भाग 1 और 2 – एम.एन. सक्सैना

15 तान संग्रह भाग 1, 2 और 3 – पंडित एस.एन. रातनजनकर

16 तान मलिका – राजा भैया पूंछवाले

17 हमारे संगीत रत्न – लक्ष्मी नारायण गर्ग

18 विष्णु दिगम्बर पलुस्कर – पडिंत विनय चन्द्र मौद्गल्य

19 विष्णु नारायण भातखण्डे – एस.एन. रातनजनकर

20 वागेयकार ओमकार नाथ ठाकुर – डा. प्रदीप कुमार दिक्षित

21 घराना – वमन राव एच. दशपाण्डे

22 संगीत परिभाषा – पडिंत रातनजनकर

23 रस मंजरी शतक पं. लक्ष्मण भट्ट तैलंग

24 राग और रूप – स्वामी प्रज्ञानन्द

25 संगीत और संस्कृति – स्वामी प्रज्ञानन्द

26 भारतीय संगीत का इतिहास – ठाकुर जयदेव सिंह

27 संगीत चिंतामणी – आचार्य ब्रहस्पति

28 Sitar and its Nibaddha forms by Stefan Slavek

29 ध्रुपद लखेक इन्दुरामा श्रीवास्तव

30 राग परिचय भाग 1, 2, 3 और 4 – हरीश चन्द्र श्रीवास्तव

31 अभिनव संगीताजंली – प्रो. रामाक्षय झा 'रामरंग'

32 स्वर और रागों के विकास में वाद्यों का योगदान – प्रो. इन्द्राणी चक्रवर्ती

33 संगीत मंजुषा – प्रो. इन्द्राणी चक्रवर्ती

34 Music- its methods and technique of teaching in Higher Education by Prof Indrani Chakravarti

35 Sitar and its teaching by Prof Debu Chaudhury

36 Senia Gharana and its contribution to Indian Music by Dr. Saroj Ghosh

37 संगीत रत्नाकर भाग 1 और 2 प्रो. पी.एल, शर्मा और डा. आर.के सिंघी

38 वृहद्देशी भाग 1 और 2 प्रो. पी.एल. शर्मा

39 Musical forms in Sangita Ratnakar by Prof. N. Ramanathan

40 राग दर्शन भाग 1 और 2 – पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

41 संगीत सुषमा भाग 1 से 4 पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

42 ख्याल दर्शन – पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

43. संगीत मणि – भाग प्रथम – डॉ. महारानी शर्मा

44. संगीत मणि – भाग द्वितीय – डॉ. महारानी शर्मा

45 All journals / Magazines of Music

B.A. PART - II EXAMINATION 2019
(10+2+3 PATTERN)
SCHEME OF EXAMINATION
DISTRIBUTION OF MARKS

S. No.	Name of the Subject	No. of Papers	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks
1	Indian Music Vocal & Instrumental	Theory Paper – I	3 hrs	40	15
		Theory Paper –II	3 hrs	40	15
		Practical Paper – I	25 Min.	40	15
		Practical Paper – II	45 Min.	80	29

INDIAN MUSIC (Vocal and Instrumental) 2019

Scheme	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks	Period Per Week
Theory Paper-I	3 Hrs.	40	15	3 Hrs.
Theory Paper-II	3 Hrs.	40	15	3 Hrs.
Practical Paper - I	25 Min.	40	15	3 Hrs.
Practical Paper - II	45 Min.	80	29	6 Hrs.

THEORY PAPER-I
EXAMINATION SCHEME 2019

Section	Words Limit	Total Questions	Question to be Attempted	Question wise marks distribution	Max. Marks (40)	Selection of questions from syllabus by examiner
A	25	10	10	01	10	Minimum two questions from each unit
B	150	07	05	02	10	At least one question from each unit
C	500	04	02	10	20	Maximum one question from each unit

Section A

Max Marks 10

This section contains Ten compulsory Questions. Answer of any question should not exceed 25 words.

Section B

Max Marks 10

This section contains 07 questions. Students have to attempts 5 questions in all, selecting one question from each unit. Answer of each question should not exceed 150 words.

Section C

Max Marks 20

This section contains 04 questions. Students have to attempt any two questions, this section will cover all units, but not more than one question from each Unit. Answer of each question should not exceed 500 words.

UNIT – I

1. Study of the theoretical details of following ragas and their comperative study.
(i) Bihag (ii) Des (iii) Bageshwari (iv) Rageshwari (v) Ahir – Bhairav (vi) Jounpuri (vii) Hamir (viii) Kedar (ix) Malkonsh (x) Bhimpalasi
2. Writing of notations of Songs (Bandish), Gat

UNIT – II

1. Writing of following Talas in notation with Dugun and Chaugun.

(i) Ada- Choutal (ii) Panjabi Treetal (iii) Jhaptal (iv) Roopak (V) Dhamar

2. Definition of the following :

(i) Margi and Deshi Sangeet, (ii) Gandharva and Geeti gan (iii) Avartan and Vibhag (iv) Sah – Shabd and Nih- Shabad Kriya.

UNIT – III

1. Definition and marits and demerits of Gayak, Vadak and Vaggayakar.

2. Detailed study of Gram – Moorchhana.

UNIT – IV

1. General Knowledge of "Ravindra Sangeet".

2. Knowledge of popular Music composition of Karnatika Music.

(i) Varnam (ii) Kriti (iii) Jawali (iv) Padam (v) Tillana.

UNIT – V

1. Brief Knowledge of following folk dances: Kalbelia, Ghoomar, Bhawai, Garba, Dandia, Bhangra, Gidda,Lawani, Bihu, Baul.

2. Detail Study of "Staff Notation System.".

THEORY PAPER-II
EXAMINATION SCHEME 2019

Section	Words Limit	Total Questions	Question to be Attempted	Question wise marks distribution	Max. Marks (40)	Selection of questions from syllabus by examiner
A	25	10	10	01	10	Minimum two questions from each unit
B	150	07	05	02	10	At least one question from each unit
C	500	04	02	10	20	Maximum one question from each unit

Section A

Max Marks 10

This section contains Ten compulsory Questions. Answer of any question should not exceed 25 words.

Section B

Max Marks 10

This section contains 07 questions. Students have to attempts 5 questions in all, selecting one question from each unit. Answer of each question should not exceed 150 words.

Section C

Max Marks 20

This section contains 04 questions. Students have to attempt any two questions, this section will cover all units, but not more than one question from each Unit. Answer of each question should not exceed 500 words.

Unit – I

1. Introduction and Contribution of the following Granths and Granthkaras.

(i) Bharat – Natya Shastara

(ii) Sharangdav – Sangeet Ratnakar.

(iii) Matang – Brihadeshi

(iv) Ahobal – Sangeet- Parijat.

2. Classification of instruments.

Tatvadya, Sushirvadya, Ghanvadya, Avnadhvadya

Unit – II

1. General Knowledge of Rag- Lakshan, Swasthan- niyam , Avirbhav- Tirobhav, Alpatv-Bahutva, Ragalap- Roopkalap.
2. Description of Indian Taal Saystem with Ten Pranas.

Unit- III

1. Place of Music in fine arts.
2. Life scetches of following musicians: Lalmani Mishra, Pt. Bhatkhande, Acharya Brihaspati, Ali Akbar Khan, Alla – Rakha- Khan.

Unit- IV

1. Origin and development of Natation system (In the context of Indian Music)
2. Detail study of Vrinda- Gan and Vadya- Vrinda in Indian Music.

Unit V

1. Stage performance in Indian Music.
2. Impact of folk music on Classical Music.
3. Religion and Music.
4. Role of Music in National integration.

PRACTICAL PAPER – I

1. Study of the following Rages :-

   (1) Bihag (2) Desh (3) Bageshree (4) Bhimpalasi

   (5) Malkouns (6) Rageshree (7) Hameer (8) Kedar (9) Ahirbhairav

   (10) Jounpuri. 20

   (a) Intensive Study of any one Raga as choice Ragas covering Vilambit and Drutkhayals / Gats in any of above Ragas. 5

   (b) Laxana geets, Sargam Geets in all above mentioned Ragas. 5

2. Five Alankaras in the notes of That Bhairav, Marva and Kafi.

3. Study of the following Talas :- 5

   (1) Adachoutal (2) Dhamar (3) Punjabi Trital (4) Roopak (5) Jhaptal 5

4. Ability to sing/play any written notation on the black board.

PRACTICAL PAPER – II

1. Study of the following Rages :-

   (1) Bihag (2) Desh (3) Bageshree (4) Bhimpalasi

   (5) Malkouns (6) Rageshree (7) Hameer (8) Kedar (9) Ahirbhairav

   (10) Jounpuri

   (a). Three Vikambit Khayals / Maseet khani Gats in any of the above mentioned Ragas. 30

   (b) Madhyalaya Khayals /Rajakhani Gats with Aalap, Tana/ Toras in any four Ragas. (not covered in clause -a) 15

2. Study of one Dhrupad or Dhamar with Dwigun, Tigun and Chougun / Study of one Madhyalaya gats in Talas other then trital. (for instrumental music) 15 10

3. Study of Trivat/ Tarana/ Bhajan/ Gazal/ Folk song/ patriotic song (one from each.)/ Dhun (for Instrumental Music) 10

4. Ability to Demonstrate (Orally by giving Tali and Khali on hand) in following Talas.

   (1) Adachoutal (2) Dhamar (3) Punjabi Trital (4) Roopak

   (5) Jhaptal

शैक्षिणक सत्र 2019

भारतीय संगीत (कंठ और वाद्य)

योजना	अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम उर्त्तीर्णांक	कालांश प्रति सप्ताह
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र प्रथम	3 घंटे	40	15	3 घंटे
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र द्वितीय	3 घंटे	40	15	3 घंटे
प्रायोगिक प्रश्न पत्र प्रथम	25 मिनिट	40	15	3 घंटे
प्रायोगिक प्रश्न पत्र द्वितीय	45 मिनिट	80	29	6 घंटे

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र प्रथम
परीक्षा प्रणाली 2019

खंड	प्रश्नोतर शब्द सीमा	कुल प्रश्न	हल किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या	प्रश्नवार अंक आवंटन	पूर्णांक (40)	पाठ्यक्रम में से परीक्षक द्वारा प्रश्नों का चयन
अ	25	10	10	01	10	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक
ब	150	07	05	02	10	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है।
स	500	04	02	10	20	एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न

खण्ड (अ)

अधिकतम अंक 10

इस खण्ड में 10 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 25 शब्दों में देना होगा। सभी प्रश्नाों के अंक समान है।

खण्ड (ब)

अधिकतम अंक 10

इस खण्ड में 10 प्रश्न है। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 150 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।

खण्ड (स)

अधिकतम अंक 20

इस खण्ड में 04 प्रश्न है। इस खण्ड में एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा। कुल दो प्रश्नों के उतर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 500 शब्दों में देना होगा। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

ईकाई – 1

1.निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय एवं तुलनात्मक अध्ययन –

1. बिहाग 2. देस 3. बागेश्वरी 4. रागेश्वरी 5. अहीर भैरव 6. जौनपुरी 7. हमीर 8. केदार 9. मालकौंस
2. पाठ्यक्रम की बंदिशो/गतों को स्वरलिपि सहित लिखना।

ईकाई –2

1. निम्नलिखित तालों का ठेका, दुगुन एवं चौगुन सहित लिखना –

1. आड़ा चौताल 2. पंजाबी त्रिताल 3. झपताल 4. रूपक 5. धमार ।

2. निम्नलिखित की परिभाषाएँ –

1. मार्गी एवं देशी संगीत 2. गंधर्व एवं गीतिगान 3. आवर्तन एवं विभाग 4. सः शब्द एवं निः शब्द क्रिया

ईकाई – 3

1. गायक, वादक एवं वाग्गेयकार की परिभाषा तथा गुण–दोष।
2. ग्राम – मूर्च्छना की विस्तृत जानकारी।

इकाई –4

1. रवीन्द्र संगीत की सामान्य जानकारी।
2. कर्नाटक संगीत में प्रचलित गायनशैलियों की जानकारी वर्णम, कृति, जावलि, पदम्, तिल्लाना। उ

ईकाई –5

1. निम्नलिखित लोकनृत्यों की संक्षिप्त जानकारी – कालबेलिया, घूमर, भवाई, गरबा, डांडिया, भंगड़ा, गिद्दा, लावणी, बिहू, बाऊल।
2. पाश्चात्य स्वरलिपि– पद्धति की विस्तृत जानकारी।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र द्वितीय
परीक्षा प्रणाली 2019

खंड	प्रश्नोतर शब्द सीमा	कुल प्रश्न	हल किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या	प्रश्नवार अंक आवंटन	पूर्णांक (40)	पाठ्यक्रम में से परीक्षक द्वारा प्रश्नों का चयन
अ	25	10	10	01	10	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक
ब	150	07	05	02	10	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है।
स	500	04	02	10	20	एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न

खण्ड (अ)

अधिकतम अंक 10

इस खण्ड में 10 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 25 शब्दों में देना होगा। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

खण्ड (ब)

अधिकतम अंक 10

इस खण्ड में 10 प्रश्न है। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 150 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।

खण्ड (स)

अधिकतम अंक 20

इस खण्ड में 04 प्रश्न है। इस खण्ड में एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा। कुल दो प्रश्नों के उतर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 500 शब्दों में देना होगा। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

इकाई –1

1. निम्नलिखित ग्रन्थों एवं ग्रन्थकारों का परिचय एवं योगदान –
    1. भरत – नाट्यशास्त्र
    2. शारंगदेव – संगीत रत्नाकर
    3. मतंग – वृहदेशी
    4. पं. अहोबल – संगीत पारिजात
2. वाद्यों का वर्गीकरण –

तत्, सुषिर, घन, अवनद्ध।

इकाई – 2

1. राग–लक्षण , स्वस्थान– नियम, आविर्भावि–तिरोभाव, अल्पत्व–बहुत्व, रागालाप– रूपकालाप की सामान्य जानकारी।
2. भारतीय ताल – पद्धति का वर्णन (दस प्राणों सहित)

इकाई –3

1. ललित कलाओं में संगीत का स्थान।
2. निम्नलिखित संगीतकारों का जीवन परिचय – लालमणि मिश्र, पं. भातखण्डे, आचार्य बृहस्पति, अली–अकबर, अल्लारखा खां।

इकाई – 4

स्वरलिपि – पद्धति का उद्‌गम एवं विकास
(भारतीय संगीत के संदर्भ में)
1. भारतीय संगीत में वृन्दगान एवं वाद्यवृन्द का विस्तृत अध्ययन।

इकाई – 5

1. भारतीय संगीत में मंच – प्रदर्शन।
2. शास्त्रीय संगीत पर लोक–संगीत का प्रभाव।
3. धर्म और संगीत।
4. राष्टीय एकता में संगीत की भूमिका।

प्रायोगिक प्रश्न पत्र प्रथम

1. निम्नलिखित रागों का अध्ययन :–
   (1) विहाग (2) देस (3) बागेश्वरी (4) रागेश्वरी (5) भीमपलासी
   (6) अहीर भैरव (7) जौनपुरी (8) हमीर (9) केदार (10) मालकौंस
2. (अ) परीक्षार्थी की इच्छानुसार किसी एक राग में विलम्बित एवं मध्यलय ख्याल/गत को पूर्ण गायकी एवं वादन क्षमता के अनुसार प्रस्तुत करना। 20
   (ब) सभी रागों में लक्षण गीत, सरगम गीत 5
3. निम्नलिखित तालों का अध्ययन
   (1) आड़ा चौताल (2) पंजाबी त्रिताल (3) रूपक (4) झपताल (5) धमार 5
4. थाट भैरव, मारवा एवं काफी के स्वरों में 5–5 अलंकार 5
5. श्याम पट्ट पर लिखी हुयी कोई स्वरलिपि गाने अथवा बजाने का अभ्यास 5

प्रायोगिक प्रश्न पत्र द्वितीय

1. निम्नलिखित रागों का अध्ययन –
   (1) बिहाग (2) देस (3) बागेश्वरी (4) रागेश्वरी (5) भीमपलासी
   (6) अहीर भैरव (7) जौनपुरी (8) हमीर (9) केदार (10) मालकौंस
   (अ) उपरोक्त रागों में से तीन विलंबित ख्याल/मसीतखानी गत तान अलाप सहित 30
   (ब) कोई चार रागों में मध्यलय ख्याल/रजाखानीगत तान अलाप सहित (बिन्दु अ के अतिरिक्त) 15
2. एक ध्रुपद अथवा एक धमार दुगुन, तिगुन एवं चौगुन की लयकारी के साथ/ तीनताल के अतिरिक्त किन्हीं अन्य तालों में एक मध्य लय गत। (वाद्य संगीत के लिए) 15
3. त्रिवट/तराना/भजन/गजल/लोकगीत/देश भक्ति गीत/कोई एक धुन (वाद्य यंत्र के विद्यार्थियों के लिए) 10
4. पाठ्यक्रम की निम्न तालों का ठेका हाथ पर ताली एवं खाली सहित दुगुन, तिगुन, चौगुन में प्रदर्शित करने का अभ्यास 10
   (1) आड़ा चौताल (2) पंजाबी त्रिताल (3) रूपक (4) झपताल (5) धमार

संदर्भ ग्रन्थ

1 क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1, 2, 3 और 4 – पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे

2 संगीतांजली भाग 1, 2, 3 4, 5, और 6 – पडित ओमकार नाथ ठाकुर

3 राग विज्ञान भाग 1, 2, 3, 4, 5 और 6 – पंडित वी.एन. पटवर्धन

4 रागबोध भाग 1, 2, और 3 – डा. बी.आर. देवधर

5 तंत्रिनाद भाग 1, 2 और भारतीया संगीत वाद्य – डा. लालमणी मिश्रा

6 सितार मालिका (संगीत कार्यालय हाथरस)

7 सितार वादन – एस.जी. व्यास

8 संगीत विशारद (संगीत कार्यालय हाथरस)

9 सितार मार्ग भाग 1 और 2 – एस.पी. बेनर्जी

10 संगीत बोध – डा. शरत चन्द्र परांजपे

11 ध्वनि और संगीत – प्रो. एल.के. सिंह

12 संगीत दर्शिका भाग 1 और 2 – श्री नानीगोपाल बैनर्जी

13 Hindustan Music- An outline of its physics and aesthetics by G.H. Rande.

14 संगीत शास्त्र भाग 1 और 2 – एम.एन. सक्सैना

15 तान संग्रह भाग 1, 2 और 3 – पंडित एस.एन. रातनजनकर

16 तान मलिका – राजा भैया पूंछवाले

17 हमारे संगीत रत्न – लक्ष्मी नारायण गर्ग

18 विष्णु दिगम्बर पलुस्कर – पडिंत विनय चन्द्र मौद्गल्य

19 विष्णु नारायण भातखण्डे – एस.एन. रातनजनकर

20 वागेयकार ओमकार नाथ ठाकुर – डा. प्रदीप कुमार दिक्षित

21 घराना – वमन राव एच. दशपाण्डे

22 संगीत परिभाषा – पडिंत रातनजनकर

23 रस मंजरी शतक पं. लक्ष्मण भट्ट तैलंग

24 राग और रूप – स्वामी प्रज्ञानन्द

25 संगीत और संस्कृति – स्वामी प्रज्ञानन्द

26 भारतीय संगीत का इतिहास – ठाकुर जयदेव सिंह

27 संगीत चिंतामणी – आचार्य ब्रहस्पति

28 Sitar and its Nibaddha forms by Stefan Slavek

29 ध्रुपद लखेक इन्दुरामा श्रीवास्तव

30 राग परिचय भाग 1, 2, 3 और 4 – हरीश चन्द्र श्रीवास्तव

31 अभिनव संगीताजंली – प्रो. रामाक्षय झा 'रामरंग'

32 स्वर और रागों के विकास में वाद्यों का योगदान – प्रो. इन्द्राणी चक्रवर्ती

33 संगीत मंजुषा – प्रो. इन्द्राणी चक्रवर्ती

34 Music- its methods and technique of teaching in Higher Education by Prof Indrani Chakravarti

35 Sitar and its teaching by Prof Debu Chaudhury

36 Senia Gharana and its contribution to Indian Music by Dr. Saroj Ghosh

37 संगीत रत्नाकर भाग 1 और 2 प्रो. पी.एल, शर्मा और डा. आर.के सिंघी

38 वृहद्देशी भाग 1 और 2 प्रो. पी.एल. शर्मा

39 Musical forms in Sangita Ratnakar by Prof. N. Ramanathan

40 राग दर्शन भाग 1 और 2 – पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

41 संगीत सुषमा भाग 1 से 4 पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

42 ख्याल दर्शन – पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

43. संगीत मणि – भाग प्रथम – डॉ. महारानी शर्मा

44. संगीत मणि – भाग द्वितीय – डॉ. महारानी शर्मा

45 All journals / Magazines of Music

B.A. PART – III EXAMINATION 2019
(10+2+3 PATTERN)
SCHEME OF EXAMINATION
DISTRIBUTION OF MARKS

S. No.	Name of the Subject	No. of Papers	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks
1	Indian Music Vocal & Instrumental	Theory Paper – I	3 hrs	40	15
		Theory Paper –II	3 hrs	40	15
		Practical Paper – I	25 Min.	40	15
		Practical Paper – II	45 Min.	80	29

INDIAN MUSIC (Vocal and Instrumental) 2019

Scheme	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks	Period Per Week
Theory Paper-I	3 Hrs.	40	15	3 Hrs.
Theory Paper-II	3 Hrs.	40	15	3 Hrs.
Practical Paper – I	25 Min.	40	15	3 Hrs.
Practical Paper – II	45 Min.	80	29	6 Hrs.

THEORY PAPER – I

EXAMINATION SCHEME 2020

Section	Words Limit	Total Questions	Question to be Attempted	Question wise marks distribution	Max. Marks (40)	Selection of questions from syllabus by examiner
A	25	10	10	01	10	Minimum two questions from each unit
B	150	07	05	02	10	At least one question from each unit
C	500	04	02	10	20	Maximum one question from each unit

Section A

Max Marks 10

This section contains Ten compulsory Questions. Answer of any question should not exceed 25 words.

Section B

Max Marks 10

This section contains 07 questions. Students have to attempts 5 questions in all, selecting one question from each unit. Answer of each question should not exceed 150 words.

Section C

Max Marks 20

This section contains 04 questions. Students have to attempt any two questions, this section will cover all units, but not more than one question from each Unit. Answer of each question should not exceed 500 words.

Note : Theory paper will contain 10 questions having two questions from each unit. The candidates are required to attempt 5 questions in all, selecting one question from each unit.

UNIT – I

1. Detailed and comparetive study of following pages:(I) Jaijaiwanti (II) Pooria (III) Bahar (IV) Darbari Kanhra (V) Miyan Ki Malhar (VI) Miyan Ki todi (VII) Marwa (VIII) Basant (IX) Shuddh Kalyan
2.. To write Notation of Bandish/Gats of Prescirbed Ragas.

.

UNIT – II

1. To write Theka, Dugun, Tigun & Chougun of following tals. (i) Tlwara (ii) Sool Tal (iii) Tilvara (iv) Jhoomra (v) Deepchandi.
2. Definition and types of Taan and Ganak.

UNIT – III

1. Study of Shruti:
   (i) Shurti-Swar arrangement according to Bharat and Sarna- Chatushtai
   (ii) Shruti- Swar arrangement according to Bhatkhamde
2. Placement of Shudh and Vikrit swars on the string of veena according to Ahobal and Shrinivas.

UNIT – IV

1. Definition , Types , dhatus and Angs of Prabandh.
2. Rag and Ras

UNIT – V

1 Music and Psychology

(i) Memory – Inagmation

(ii) Emotion – expression

(iii) Heridety – Environment

2 Definition & Utility of "Kaku"

THEORY PAPER –II
EXAMINATION SCHEME 2020

Section	Words Limit	Total Questions	Question to be Attempted	Question wise marks distribution	Max. Marks (40)	Selection of questions from syllabus by examiner
A	25	10	10	01	10	Minimum two questions from each unit
B	150	07	05	02	10	At least one question from each unit
C	500	04	02	10	20	Maximum one question from each unit

Section A

Max Marks 10

This section contains Ten compulsory Questions. Answer of any question should not exceed 25 words.

Section B

Max Marks 10

This section contains 07 questions. Students have to attempts 5 questions in all, selecting one question from each unit. Answer of each question should not exceed 150 words.

Section C

Max Marks 20

This section contains 04 questions. Students have to attempt any two questions, this section will cover all units, but not more than one question from each Unit. Answer of each question should not exceed 500 words.

Unit –I

1. Developement of Music in modern era (post independence)
2. Origin of Gharanas , Their developement and their utility in present context.

Unit – II

1. Rag Classification
   (i) Gram Rag – Desi Rag
   (ii) Rag – Ragni
   (iii) Mel Rag or That Rag
   (iv) Ragang – Rag

Unit – III

1. Description of Books and their writers

(i) Kumbha – Sangeetraj

(ii) Ramamatya – Swar Mel Kalanidhi

(iii) Vyankatmukhi – Chaturdandi Prakashika

(iv) Jaidev – Geet Govind

2. Comparetive study of shudh and Vikrit Swars of Hindustan and Karnatak systems of Music .

Unit IV

1. Life sketches and contribution in the field of music of following musicians.
   (i) Kishan Maharaj
   (ii) V.D. Paluskar
   (iii) Kishori Amonkar
   (iv) Bade Gulam Ali Khan
   (v) Amjad Ali Khan
   (vi) S. N. Ratanjankar
2. Haveli Sangeet Tradition

Unit – V

1. Contribution of female artistis in the field of Music.
2. Utility of Music in Society
3. Music and Therapy.
4. Distance Education of Music.

PRACTICAL PAPER - I

1. Study of the following Ragas :-

   (I) Jaijaiwanti (II) Pooria (III) Bahar (IV) Darbari Kanhra

   (V) Miyan Ki Malhar (VI) Miyan Ki todi (VII) Marwa (VIII) Basant

   . (IX) Shuddh Kalyan 20

2. (a) Intensive study of any one Raga as choice Raga covering Vilambit and Drut khayals / in above Ragas. 5

   (b) Laxangeets, Saragam geets in all above mentioned Ragas. 5

3. Five Alankars in the notes of That Ashavari, Todi, Poorvi, Bhairavi. Study of the following Talas. 5

   (1) Tilwara (2) Sool tal (3) Tivra (4) Jhumara 5

   (5) Deep chandi

4. Ability to sing/ play any written notation on the Black board.

PRACTICAL PAPER – II

1. Study of the following Ragas :-

   (I) Jaijaiwanti (II) Pooria (III) Bahar (IV) Darbari Kanhra (V) Miyan Ki Malhar

   (VI) Miyan Ki todi (VII) Marwa (viii) Basant (ix) Shuddh Kalyan

   (a) Four Vilambit Khayals / Maseetkhani Gats in any of the above mentioned Ragas. 30

   (b) Madhyalaya Khayals / Rajakhani Gats in any four Ragas (not covered under clause(a). 15

2. Study of one Dhrupad or Dhamar with Dwigan, Tigum, Chaugun and a few “Upaj” /Study of one Madhyalava gats in Tala other than Trital.(for instrumental music) 15 10

3. Study of one chaturang, one Tarana, one Bhajan. One Gazal, One Folk song one prayer, national anthum & song/Dhun for instrumental music. 10

4. Ability to demonstrate (orally by giving Tali and Khali on hand) following Talas. (1) Tilwara (2) Sool tal (3) Tivra

   (4) Jhumara (5) Deep chandi

शैक्षिणक सत्र 2019

भारतीय संगीत (कंठ और वाद्य)

योजना	अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक	कालांश प्रति सप्ताह
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र प्रथम	3 घंटे	40	15	3 घंटे
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र द्वितीय	3 घंटे	40	15	3 घंटे
प्रायोगिक प्रश्न पत्र प्रथम	25 मिनिट	40	15	3 घंटे
प्रायोगिक प्रश्न पत्र द्वितीय	45 मिनिट	80	29	6 घंटे

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र : 1
परीक्षा प्रणाली 2020

खंड	प्रश्नोतर शब्द सीमा	कुल प्रश्न	हल किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या	प्रश्नवार अंक आवंटन	पूर्णांक (40)	पाठ्यक्रम में से परीक्षक द्वारा प्रश्नों का चयन
अ	25	10	10	01	10	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक
ब	150	07	05	02	10	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है।
स	500	04	02	10	20	एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न

खण्ड (अ)

अधिकतम अंक 10

इस खण्ड में 10 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 25 शब्दों में देना होगा। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

खण्ड (ब)

अधिकतम अंक 10

इस खण्ड में 10 प्रश्न है। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 150 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।

खण्ड (स)

अधिकतम अंक 20

इस खण्ड में 04 प्रश्न है। इस खण्ड में एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा। कुल दो प्रश्नों के उतर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 500 शब्दों में देना होगा। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

इकाई 1

1. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय एवं तुलनात्मक अध्ययन
   (1) जयजयवन्ती (2) पूरीया (3) बहार (4) दरबारी कान्हड़ा (5) मियां की मल्हार
   (6) मियॉ की तोड़ी (7) मारवा (8) बसंत (9) शुद्ध कल्याण
2. पाठ्यक्रम की बंदिशों/गतों को स्वर लिपिबद्ध करना।

.

इकाई – 2

1. निम्नलिखित तालों का ठेका, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन सहित लिखना (1) तिलवाड़ा (2) सूलताल (3) तीव्रा (3) झुमरा (4) दीपचंदी
2. गमक एवं तान की परिभाषा और प्रकार।

इकाई – 3

1. श्रुति , स्वर का अध्ययन
   (1) भरत के अनुसार श्रुति स्वर व्यवस्था एवं सरणा चतुष्टयी का परिचय
   (2) भारतखण्डे अनुसार श्रुति स्वर व्यवस्था
   (3) पं. अहोबल एवं श्रीनिवास के अनुसार वीणा के तार पर शुद्ध एवं विकृत स्वरों की स्थापना।

.

इकाई – 4

1. प्रबन्ध की परिभाषा , प्रकार, धातु एवं अंग

2. राग एवं रस।

इकाई – 5

1. संगीत और मनोविज्ञान
   (1) स्मृति – कल्पना।
   (2) अनुभूति – अभिव्यक्ति
   (3) वंशानुक्रम – वातावरण
2. काकु की परिभाषा एवं उपयोगिता

द्वितीय प्रश्न पत्र
परीक्षा प्रणाली 2020

खंड	प्रश्नोतर शब्द सीमा	कुल प्रश्न	हल किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या	प्रश्नवार अंक आवंटन	पूर्णांक (40)	पाठ्यक्रम में से परीक्षक द्वारा प्रश्नों का चयन
अ	25	10	10	01	10	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक
ब	150	07	05	02	10	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है।
स	500	04	02	10	20	एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न

खण्ड (अ)

अधिकतम अंक 10

इस खण्ड में 10 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 25 शब्दों में देना होगा। सभी प्रश्नाों के अंक समान है।

खण्ड (ब)

अधिकतम अंक 10

इस खण्ड में 10 प्रश्न है। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने है। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 150 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।

खण्ड (स)

अधिकतम अंक 20

इस खण्ड में 04 प्रश्न है। इस खण्ड में एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा। कुल दो प्रश्नों के उतर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उतर अधिकतम 500 शब्दों में देना होगा। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

इकाई –1

1. आधुनिक काल में संगीत का विकास (स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात्)
2. धरानों का उद्भव, विकास एवं वर्तमान संदर्भ में उसकी उपयोगिता।

इकाई –2

1. राग – वर्गीकरण

   (1) ग्रामराग–देशीराग–वर्गीकरण (2) राग–रागिनी–वर्गीकरण

   (3) मेल अथवा थाट वर्गीकरण (4) रागांग राग वर्गीकरण

2. व्यंकटमुखी के 72 मेल एवं भातखंडे के 32 थाट का सिद्धान्त।

इकाई –3

1. ग्रंथ एवं ग्रंथकारो का परिचय।

   (1) कुंभा– संगीतराज (2) रामामात्य – स्वरमेलकलानिधि

   (3) व्यंकटमुखी– चतुर्दण्डी प्रकाशिका(4) जयदेव–गीतगोविन्द

2. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत पद्धतियों के शुद्ध एवं विकृत स्वरों का अध्ययन।

इकाई –4

1. निम्नलिखित संगीतकारों की जीवनियों एवं संगीत क्षेत्र में योगदान –

   (1) किशन महाराज (2) वी.डी पलुस्कर (3) किशोरी –अमोनकर (4) बड़े–गुलाम अली खां (5) अमजद अली खां (6) एस. एन. रातजंकर

2. हवेली–संगीत परपंरा।

इकाई –5

1. संगीत में महिला कलाकारों का योगदान।
2. समाज में संगीत का महत्व।
3. चिकित्सा और संगीत।
4. दूरस्थ शिक्षा एवं संगीत शिक्षण

प्रायोगिक प्रश्न पत्र प्रथम

1.	निम्नलिखित रागों का अध्ययन (1) जयजयवन्ती (2) पूरीया (3) बहार (4) दरबारी कान्हड़ा (5) मियां की मल्हार (6) मियॉ की तोड़ी (7) मारवा (8) बसंत (9) शुद्ध कल्याण	
2.	(अ) पाठ्यक्रम की किसी एक राग में विलंबित एवं मध्यलय/गत के साथ संपूर्ण गायकी/वादन क्षमता के साथ प्रस्तुत करने का अभ्यास। (ब) सभी रागों में लक्षणगीत, सरगम गीत	20 5
3.	निम्नलिखित तालों का अध्ययन – (1) तिलवाड़ा (2) सूलताल (3) तीव्रा (4) झूमरा (5) दीपचन्दी	5
4.	थाट आसावरी, तोड़ी, पूरीया और भैरवी में 5–5 अलंकार	5
5.	श्यामपट्ट पर लिखी हुयी कोई स्वरलिपि गाने अथवा बजाने की क्षमता	5

प्रायोगिक प्रश्न पत्र द्वितीय

1.	निम्नलिखित रागों का अध्ययन (1) जयजयवन्ती (2) पूरीया (3) बहार (4) दरबारी कान्हड़ा (5) मियां की मल्हार (6) मियॉ की तोड़ी (7) मारवा (8) बसंत (9) शुद्ध कल्याण	
2.	(अ) किन्हीं चार रागों में विलंबित ख्याल/मसीत खानी गत आलाप एवं तान तोड़ों सहित (ब) किन्हीं चार रागों में मध्यलय ख्याल/रजा खानी गत आलाप एवं तान तोड़ों सहित (बिन्दु अ के अतिरिक्त)	30 15
3.	दोगुन, तिगुन, चौगुन एवं कुछ उपज की लयकारियों सहित एक ध्रुपद या एक धमार/तीन ताल के अतिरिक्त अन्य तालों में एक मध्य लयगत (वाद्य संगीत के लिए)	15
4.	एक चतुरंग, एक तराना, एक भजन, एक गजल, एक लोक गीत, एक प्रार्थना, राष्ट्रीय गान एवं राष्ट्रीय गीत गाने का अभ्यास/वाद्य संगीत के विद्यार्थियों के लिए धुन	10
5	निम्नलिखित तालों को हाथ पर ताली एवं खाली सहित प्रदर्शित करने का अभ्यास (1) तिलवाड़ा (2) सूलताल (3) तीव्रा (4) झूमरा (5) दीपचन्दी	10

संदर्भ ग्रन्थ

1 क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1, 2, 3 और 4 – पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे

2 संगीतांजली भाग 1, 2, 3 4, 5, और 6 – पडित ओमकार नाथ ठाकुर

3 राग विज्ञान भाग 1, 2, 3, 4, 5 और 6 – पंडित वी.एन. पटवर्धन

4 रागबोध भाग 1, 2, और 3 – डा. बी.आर. देवधर

5 तंत्रिनाद भाग 1, 2 और भारतीया संगीत वाद्य – डा. लालमणी मिश्रा

6 सितार मालिका (संगीत कार्यालय हाथरस)

7 सितार वादन – एस.जी. व्यास

8 संगीत विशारद (संगीत कार्यालय हाथरस)

9 सितार मार्ग भाग 1 और 2 – एस.पी. बेनर्जी

10 संगीत बोध – डा. शरत चन्द्र परांजपे

11 ध्वनि और संगीत – प्रो. एल.के. सिंह

12 संगीत दर्शिका भाग 1 और 2 – श्री नानीगोपाल बैनर्जी

13 Hindustan Music- An outline of its physics and aesthetics by G.H. Rande.

14 संगीत शास्त्र भाग 1 और 2 – एम.एन. सक्सैना

15 तान संग्रह भाग 1, 2 और 3 – पंडित एस.एन. रातनजनकर

16 तान मलिका – राजा भैया पूंछवाले

17 हमारे संगीत रत्न – लक्ष्मी नारायण गर्ग

18 विष्णु दिगम्बर पलुस्कर – पडिंत विनय चन्द्र मौद्गल्य

19 विष्णु नारायण भातखण्डे – एस.एन. रातनजनकर

20 वागेयकार ओमकार नाथ ठाकुर – डा. प्रदीप कुमार दिक्षित

21 घराना – वमन राव एच. दशपाण्डे

22 संगीत परिभाषा – पडिंत रातनजनकर

23 रस मंजरी शतक पं. लक्ष्मण भट्ट तैलंग

24 राग और रूप – स्वामी प्रज्ञानन्द

25 संगीत और संस्कृति – स्वामी प्रज्ञानन्द

26 भारतीय संगीत का इतिहास – ठाकुर जयदेव सिंह

27 संगीत चिंतामणी – आचार्य ब्रहस्पति

28 Sitar and its Nibaddha forms by Stefan Slavek

29 ध्रुपद लखेक इन्दुरामा श्रीवास्तव

30 राग परिचय भाग 1, 2, 3 और 4 – हरीश चन्द्र श्रीवास्तव

31 अभिनव संगीताजंली – प्रो. रामाक्षय झा 'रामरंग'

32 स्वर और रागों के विकास में वाद्यों का योगदान – प्रो. इन्द्राणी चक्रवर्ती

33 संगीत मंजुषा – प्रो. इन्द्राणी चक्रवर्ती

34 Music- its methods and technique of teaching in Higher Education by Prof Indrani Chakravarti

35 Sitar and its teaching by Prof Debu Chaudhury

36 Senia Gharana and its contribution to Indian Music by Dr. Saroj Ghosh

37 संगीत रत्नाकर भाग 1 और 2 प्रो. पी.एल, शर्मा और डा. आर.के सिंघी

38 वृहद्देशी भाग 1 और 2 प्रो. पी.एल. शर्मा

39 Musical forms in Sangita Ratnakar by Prof. N. Ramanathan

40 राग दर्शन भाग 1 और 2 – पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

41 संगीत सुषमा भाग 1 से 4 पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

42 ख्याल दर्शन – पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

43. संगीत मणि – भाग प्रथम – डॉ. महारानी शर्मा

44. संगीत मणि – भाग द्वितीय – डॉ. महारानी शर्मा

45 All journals / Magazines of Music